अध्याय तृतीय
शोध प्रविधि

अध्याय तृतीय

शोध प्रविधि

अनुसंधान या शोधकार्य में निश्चित और सही दिशा की ओर अग्रसर होने के उद्देश्य से यह आवश्यक होता है कि शोध प्रबंध की व्यवस्थित रूप रेखा तैयार की जाये, क्योंकि यह रूप रेखा ही शोधकार्य के लिए निश्चित दिशा प्रदान करती है, इसमें प्रतिदर्श चयन की अपनी विशेष भूमिका होती है। इसके बाद उपकरणों एवं तकनीक का चयन भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसी आधार पर प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या कर निष्कर्ष निकाला जाता है, तब कहीं जाकर एक शोध कार्य पूरा हो पाता है।

3.1 जनसंख्या :

प्रस्तुत अध्ययन के लिए जिस क्षेत्र से न्यादर्श का चयन किया जाना था उसके लिए भोपाल जिले को चुना गया। फिर भोपाल जिले में भी राज्य सरकार द्वारा संचालित विद्यालयों को चुना गया। शोधकर्ता ने फिर यादृच्छिक विधि द्वारा कुल पाँच विद्यालयों (शासकीय एवं अशासकीय) के आठवीं कक्षा में पढ़ने वाले 150 विद्यार्थियों को प्रतिदर्श के रूप में कुल जनसंख्या में से चयनित किया गया।

भोपाल जिले में राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त संचालित विद्यालयों तथा कक्षा आठवीं में पढने वाले विद्यार्थियों का विवरण निम्न सारणी से स्पष्ट हो जाता है:—

सारणी 3.1

क्र.	क्षेत्र	शासकीय	अशासकीय	कुल
1	विद्यालयों की संख्या	825	1385	2210
2	आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों की संख्या	12170	52575	64745

उपर्युक्त जनसंख्या में से यादृच्छिक विधि से चयनित न्यादर्श पर परीक्षण को प्रशासित कर सर्वेक्षण की "सह संबंध शोध प्रविधि "द्वारा आंकडों का संकलन, विश्लेषण एवं विवेचन किया गया।

3.2 न्यादर्श चयन :

प्रस्तुत अध्ययन के लिए न्यादर्श का चयन करने के उद्देश्य से भोपाल जिले के पांच विद्यालयों का चयन किया गया। चयनित 5 विद्यालयों में से 3 शासकीय एवं 2 अशासकीय विद्यालयों तथा उसमें आठवीं कक्षा में पढने वाले 150 विद्यार्थियों को यादृच्छिक विधि की लाटरी विधि द्वारा परीक्षण के लिए चयनित किया गया।

शोध हेतु न्यादर्श का चयन उपरोक्तानुसार इसलिए किया गया ताकि शहर के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों (छात्र एवं छात्राओं) की हिन्दी भाषा में साहित्यिक रूचि एवं उनके मुहावरे ज्ञान तथा उनमें पाये जाने वाले संबंध को ज्ञात किया जा सके तथा साथ ही विद्यार्थियों के मुहावरों ज्ञान के विभिन्न स्त्रोतों की भी जानकारी प्राप्त हो सके। इस हेतु चयन किए गए विद्यालयों की सूची तथा परीक्षण में सम्मिलित हुए विद्यार्थियों की संख्या का विवरण निम्नांकित है –

सारणी 3.2

चयनित विद्यालयों तथा विद्यार्थियों की संख्या सूची

क्र.	विद्यालय का नाम	कुल छात्र संख्या
1	शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कमला नेहरू, भोपाल	30
2	शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सरोजनी नायडू, भोपाल।	30
3	शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, राजा भोज, भोपाल	30
4	अशासकीय जवाहर लाल नेहरू, हा. से. स्कूल भोपाल	30
5	अशासकीय रोज़मेरी हाई स्कूल, भोपाल।	30

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि 3 शासकीय एवं 2 अशासकीय विद्यालयों में से कुल 150 विद्यार्थी इस परीक्षण में सम्मिलित हुए।

3.3 शोध में प्रयुक्त चरों की स्थिति :

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य मूलतः दो चरों साहित्यिक रूचि और मुहावरे ज्ञान के मध्य सह संबंध ज्ञात करना है। अतः इस अध्ययन के मुख्य चर साहित्यिक रूचि के विभिन्न घटक पठन, लेखन, व्याकरण, वार्तालाप, हिन्दी संबंधित सहगामी क्रियाएं, कक्षा शिक्षण, साहित्य है और मुहावरे ज्ञान के विभिन्न घटक क्रोध, युद्ध, पशु तथा शरीरांग संबंधी मुहावरे हैं। तथा साथ ही साथ मुहावरे ज्ञान के विभिन्न स्त्रोत शिक्षक, किताब, माता पिता तथा अन्य आदि भी इस अध्ययन के चर है।

हालांकि इस अध्ययन में विद्यालय प्रकार (शासकीय एवं अशासकीय) तथा लिंग (छात्र एवं छात्राओं) की बहिरंग चर के रूप में पहचान की गई है।

3.4.1 शोध में प्रयुक्त उपकरण :

किसी भी शैक्षिक अनुसंधान में उपकरणों का निर्माण बड़ी श्रम साध्य प्रक्रिया है, जिसमें पर्याप्त सावधानी के साथ एकाग्रता की आवश्यकता अनिवार्य रूप से होती है, क्योंकि इन उपकरणों के माध्यम से ही आवश्यक आँकडे एकत्रित किये जाते है।

प्रस्तुत शोधकार्य के लिए शोधकर्ता द्वारा स्वंय निर्मित उपकरण तैयार किया गया, जिसके माध्यम से आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों की हिन्दी साहित्यिक रूचि और उनके मुहावरे ज्ञान एवं मुहावरे ज्ञान के विभिन्न स्त्रोतों का परीक्षण प्रपत्र तैयार किया गया।

इस परीक्षण का मुख्य उद्देश्य है कि आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों की हिन्दी साहित्यिक रूचि एवं उनके मुहावरे ज्ञान तथा मुहावरे ज्ञान के विभिन्न स्त्रोतों की जानकारी प्राप्त करना है ताकि विद्यार्थियों की हिन्दी साहित्यिक रूचि एवं उसका उनके मुहावरे ज्ञान के साथ संबंध की यथास्थिति जानकर उनकी भाषाई दक्षता में कुशलता लाई जा सके। इस परीक्षण को तीन भागों में बांटा गया है –

हिन्दी साहित्यिक अभिरूचि परीक्षण प्रपत्र–प्रस्तुत उपकरण में 35 कथन हैं, जिनका उद्देश्य विद्यार्थियों की हिन्दी साहित्यिक अभिरूचि का मापन करना है, इसके माध्यम से विद्यार्थियों की हिन्दी भाषा के पठन, लेखन, व्याकरण, वार्तालाप, हिन्दी सहगामी क्रियाएं, हिन्दी कक्षा शिक्षण एवं साहित्य में होने वाली रूचि को ज्ञात करना है। विद्यार्थियों द्वारा इस प्रपत्र में दिए गए सभी कथनों का उत्तर तीन

बिन्दु अनुमतांक मापनी सहमत, अहसमत, तटस्थ, में से किसी एक मत पर सही का चिन्ह अंकित कर देना है।

मुहावरे ज्ञान योग्यता परीक्षण प्रपत्र – प्रस्तुत प्रपत्र में 25 मुहावरे दिए गए हैं, विद्यार्थियों को वस्तुनिष्ठ रूप में दिए गए तीनों उत्तरों में से किसी एक को जो उनकी समझ अनुसार सही अर्थ देने वाला हो को चिन्हित करना है। इस परीक्षण का उद्देश्य विद्यार्थियों में मुहावरे ज्ञान की योग्यता का पता लगाना है।

मुहावरे ज्ञान के स्त्रोत ज्ञात करने हेतु प्रपत्र – इस प्रपत्र का उद्देश्य है कि आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों द्वारा अभी तक पढ़े गए, सामान्य दस मुहावरे देकर, उनकी जानकारी में है या नहीं को पता लगाकर फिर यह ज्ञात करना है कि इन मुहावरे ज्ञान में किस स्त्रोत का सर्वाधिक योगदान रहा है। इस प्रपत्र के माध्यम से हमें विद्यार्थियों के मुहावरे ज्ञान में शिक्षकों, अभिभावक, किताब अथवा अन्य (यथा स्व अध्ययन, मित्र समूह) के योगदान के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

इन उपकरणों को अंतिम रूप देने से पहले निदेशक एवं विषय विशेषज्ञ से सभी कथनों की जाँच कराई गई तथा उनकी सलाह के अनुसार कुछ कथनों में सुधार कार्य किया गया। कुछ कथनों की भाषा को भी सरल, रूप प्रदान किया गया। इस तरह पूर्व में रखे गए 38 कथनों में से 35 कथनों को अंतिम रूप से स्वीकृति प्रदान की गई।

3.4.2 उपकरण का प्रशासन एवं प्रदत्त संकलन :

उपरोक्त परीक्षण फरवरी माह के प्रथम व द्वितीय सप्ताह में यादृच्छिक विधि से चुने गए पाँच राज्य सरकार के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में प्रशासित किया गया।

सर्वप्रथम शोधार्थी द्वारा विद्यालयों के प्रधानाध्यापक एवं हिन्दी विषय अध्यापक से सम्पर्क कर इस परीक्षण के उद्देश्य का स्पष्टीकरण किया गया तथा उनकी अनुमति प्राप्त होने के उपरांत विद्यार्थियों से सम्पर्क कर उन्हें भी परीक्षण का उद्देश्य एवं परीक्षण को पूर्ण करने की नियमावली को तथा परीक्षा प्रपत्र भरते समय रखी जाने वाली सावधानियों से भी अवगत कराया गया।

लघु शोध प्रबंध के परीक्षण प्रपत्र को तीन उप भागों में हिन्दी साहित्यिक रूचि तथा मुहावरे ज्ञान योग्यता एवं मुहावरे ज्ञान प्राप्त होने वाले स्त्रोत के रूप में विभाजित किया गया तथा प्रत्येक विद्यालय में दो दो दिन जाकर परीक्षण प्रशासित किया गया। वैसे तो परीक्षण प्रपत्र भरने के लिए कोई समय सीमा निर्धारित नहीं थी, फिर भी औसतन, तीस तीस मिनट में विद्यार्थियों ने परीक्षण के दोनों उपभागों को पूर्ण किया।

यह परीक्षण लगभग दस कार्य दिवसों में पांच विद्यालयों के 150 विद्यार्थियों पर प्रशासित किया गया।

3.4.3 प्रस्तुत लघु शोध उपकरण के अंकन की विधि :

प्रस्तुत लघु शोध कार्य के लिए जो उपकरण निर्मित किया गया उसे मुख्यतः तीन उपभागों में बांटकर अंकन किया गया।

- **प्रथम भाग** में आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों की साहित्यिक रूचि वाले प्रपत्र में कुल 35 कथन दिए गए। प्रत्येक धनात्मक कथन के प्रति उनकी रूचि का मापन के लिए तीन बिन्दु अनुमतांक स्केल– सहमत/तटस्थ/असहमत रखी गई एवं क्रमशः 2, 1 एवं 0 अंक प्रदान किये गये तथा ऋणात्मक कथनों के लिए विपरीत अंकन (असहमत–2 /तटस्थ –1/सहमत –0)

किया गया। इस तरह कुल 35 कथनों के लिए अधिकतम 70 अंक धनात्मक साहित्यिक रूचि के लिए प्रदान किये गये।

- परीक्षण प्रपत्र के **द्वितीय भाग** आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों के मुहावरे ज्ञान की योग्यता को जाँचने के लिए 25 मुहावरे एवं वस्तुनिष्ठ रूप में उनके अर्थ संबंधी उत्तर दिए गए तथा प्रत्येक मुहावरे का सही अर्थ बताने के लिए 1 अंक प्रदान किया गया। इस तरह इस प्रपत्र में अधिकतम अंक 25 प्रदान किये गए।

- परीक्षण प्रपत्र का **तृतीय भाग** विद्यार्थियों के मुहावरे ज्ञान के विभिन्न स्त्रोतों की जानकारी प्राप्त करने से संबंधित था जिसमें कुल 10 सामान्य मुहावरे दिए गए व पहले उसमें देखा गया कि उन्हें इन मुहावरों की जानकारी है या नहीं और अगर है तो इन मुहावरे का ज्ञान विद्यार्थियों को शिक्षक से, अभिभावक से, किताब से या किसी अन्य स्त्रोत से प्राप्त हुआ है के बारे में पता लगाया गया। तथा फिर सांख्यिकी विश्लेषण द्वारा ज्ञात किया गया कि विद्यार्थियों के मुहावरे संबंधी ज्ञान में सर्वाधिक योगदान किस स्त्रोत का रहता है।।

इस तरह परीक्षण के तीनों उपभागों का अलग–अलग अंकन किया गया तथा फिर सांख्यिकी प्रविधियों का प्रयोग किया गया।

3.5 प्रयुक्त सांख्यिकी प्रविधियां :

शोध समस्या से संबंधित परीक्षण प्रपत्र के तीनों उपभागों का अंकन करने के उपरांत उनसे उचित परिणाम ज्ञात करने के लिए उपयुक्त सांख्यिकीय प्रविधियों का प्रयोग कर विश्लेषण किया गया।

- सर्वप्रथम वर्ग प्रथम में साहित्यिक रूचि के सभी 35 कथनों की सहमत, तटस्थ एवं असहमत के अनुसार उनकी आवृत्ति एवं प्रतिशत ज्ञात किया, गया इसी तरह प्रत्येक 25 मुहावरों की भी आवृत्ति एवं प्रतिशत को ज्ञात किया गया। तदुपरांत साहित्यिक रूचि के सात घटकों एवं मुहावरे संबंधी चार घटकों का मध्यमान, मानक विचलन तथा विषमता कुकुदता ज्ञात की गई। ये सभी कार्य विश्लेषणात्मक सांख्यिकीय के अंतर्गत किया गया।

- वर्ग द्वितीय में साहित्यिक रूचि के विभिन्न घटकों एवं व मुहावरे ज्ञान के विभिन्न घटकों तथा साहित्यिक रूचि व मुहावरे ज्ञान के आपस के सह संबंध को मैट्रिक्स द्वारा ज्ञात किया गया तथा साथ ही साथ विद्यालय प्रकार तथा लिंग भेंद के आधार पर साहित्यिक रूचि. एवं मुहावरे ज्ञान का औसत मध्यमान, मानक विचलन, टी–मान एवं सार्थकता स्तर का भी परीक्षण कर परिकल्पनाओं की जांच की गई।

- वर्ग तृतीय में वे विभिन्न स्त्रोत (किताब, शिक्षक, अभिभावक व अन्य) जिनसे मुहावरे का ज्ञान प्राप्त होता है, की आवृत्ति तथा प्रतिशत को ज्ञात किया गया तथा देखा गया कि विद्यार्थियों के मुहावरे ज्ञान में किस स्त्रोत का सर्वाधिक योगदान रहता है।